# होयसल कला (Hoysala Art)

sanskritiias.com/hindi/pt-cards/hoysala-art

- होयसल कला शैली 11वीं से 14वीं सदी के मध्य कर्नाटक क्षेत्र में होयसल राजाओं के शासनकाल में विकसित हुई। होयसल राजाओं ने 1500 से अधिक मंदिरों का निर्माण करवाया।
- इस शैली के प्रारंभिक साक्ष्य एहोल, बादामी और पट्टडकल के चालुक्य मंदिरों में मिलते हैं।
- यह शैली मानवता और अध्यात्म के विभिन्न पक्षों को दर्शाती है। धार्मिक सहिष्णुता इसकी प्रमुख विशेषता है। इस शैली में शैव, वैष्णव तथा जैन मंदिरों का निर्माण किया गया।
- हलेबिड का होयसलेश्वर मंदिर जो एक शैव मंदिर है तथा सोमनाथपुर का केशव मंदिर जो एक वैष्णव मंदिर है, इस शैली के प्रमुख उदहारण हैं।
- भारत सरकार ने शांति निकेतन और होयसल के पवित्र प्रतीकों को 2021-22 में विश्व विरासत स्थल घोषित करने हेतु प्रस्तावित किया है।

IAS / PCS
Online Video Course
सामान्य अध्ययन
+
वैकल्पिक विषय
(इतिहास एवं भूगोल)
15% Discount for
Next 500 Students
Online
Learning
Programme
JOIN NOW

IAS / PCS
Pendrive Course
सामान्य अध्ययन
+
वैकल्पिक विषय
(इतिहास एवं भूगोल)
15% Discount for Next
500 Students